Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 12-12-2006

Participants : Maheshwari Smt. Kiran

an>

Title: Need to improve the quality of wheat and rice supplied to fair price shops in the Country.

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर): अध्यक्ष जी, आम आदमी से वायदा करके आये लोगों का ध्यान आज मैं आपके माध्यम से आम-आदमी की ओर आकृट करना चाहती हूं। आम-आदमी का हाल आज बेहाल है। एपीएल के गेहूं का मिलना तो दूर की बात है आज तो बीपीएल का गेहूं भी आम-आदमी को पूरी मात्रा में नहीं मिल रहा है। बीपीएल के गेहूं की स्थिति यह है कि अगर उसे आप हाथ में उठाकर देखें तो आदमी की बात तो दूर, उसे पशु भी न खाए। आज के एक अखबार में माननीय केन्द्रीय मंत्री ने कहा है कि राशन की दुकानों पर अच्छा गेहूं मिल रहा है। मैं इस सरकार से कहना चाहूंगी कि आप जमीन से जुड़ कर देखें, राशन की दुकानों पर जा कर देखें कि किस तरह का गेहूं मिल रहा है और वह कैसा गेहूं जनता को खिला रही है। उस गेहूं को पशु भी नहीं खा सकते हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्ति करना चाहूंगी कि वह अच्छी क्वालिटी का गेहूं जनता तक पहुंचाए, जिससे कि आम आदमी, गरीब आदमी उस गेहूं को खा सके। यह सरकार निर्धन लोगों का, गरीब लोगों का साथ देने की बात कहती है और इसी तरह के भााण दिए जाते हैं, लेकिन यह सरकार आम आदमी के साथ नहीं है। उनका हाल बेहाल कर रखा है और इसी कारण मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहती हूं कि वह गेहूं की क्वालिटी अच्छी करे।